डॉ0 रेणु कुमारी कुशवाहा
मंत्री
आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना

दूरभाष
0612–2217704 (कार्यालय)
0612–2291866, 2291844 (आवास)

बिहार सरकार

संदेश

बिहार एक बहु आपदा प्रवण राज्य है। भौगोलिक एवं प्राकृतिक कारणों से राज्य में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं यथा बाढ़, सुखाड़, ओलापात, अग्निकांड, चक्रवातीय तूफान, वज्रपात, शीतलहर आदि का प्रकोप अक्सर बना रहता है। फलस्वरूप मानवक्षति, पशुक्षति, गृहक्षति एवं फसल क्षति आदि से पीड़ित परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ता है। माननीय मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आपदा प्रबंधन विभाग प्रभावित परिवारों को समुचित सहाय्य/अनुदान उपलब्ध कराने तथा उनके पुनर्वास के लिए कटिबद्ध है। वर्ष 2008 की कोशी आपदा तथा वर्ष 2009/वर्ष 2010 सुखाड़ आपदा एवं वर्ष 2011 में गंगा एवं सोन नदियों में आयी बाढ़ के समय आपदा प्रबंधन विभाग ने पीड़ित परिवारों की समुचित सेवा की है।

राज्य आपदा रिस्पौंस कोष से बाढ़, सुखाड़, ओलावृष्टि, अग्निकांड, भूकंप, चक्रवाती तूफान जैसे प्राकृतिक आपदाओं में सहाय्य/अनुदान देय है। वज्रपात को भी प्राकृतिक आपदा के श्रेणी में शामिल करते हुए राज्य सरकार ने अपने कोष से पीड़ित परिवारों को अनुदान देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त माननीय मुख्य मंत्री राहत कोष से भी सहायता उपलब्ध करायी जाती है। आपदा प्रबंधन में हुए अवधारणा परिवर्तन (Paradigm Shift) के कारण आपदा पूर्व तैयारी, प्रशिक्षण, क्षमता संवर्द्धन एवं जनजागरण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन 2011–12 में विभाग के विभिन्न क्रियाकलापों एवं उनके वित्तीय प्रबंधन को शामिल किया गया है। साथ ही वर्ष 2012–13 के लिए कार्ययोजना का समावेश किया गया है। वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए विभाग का योजना उद्व्यय 5160.53 लाख है।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि यह प्रतिवेदन आपदा प्रबंधन के भी सहभागियों (Stackholders) को विभाग के कार्यों के मूल्यांकन का समुचित अवसर प्रदान करेगा तथा यह उम्मीद भी रखती हूँ कि भविष्य में आनेवाले किसी भी प्राकृतिक आपदा को कुशल प्रबंधन से कम से कम क्षति सुनिश्चित कराने में सक्षम होगा।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ0 रेणु कुमारी कुशवाहा)